निवेदन

प्रिय पाठक महाशय जी,

सेवा में निवेदन है कि यह आधुनिक कवि नाम। की जो पुस्तक आप के कर कमलों में देता हूँ इसके लिखने का कारण सम्पूर्ण प्रकाशकों की शैली का जो सर्वोत्तम स्वामी औ[illegible] काल ही मे जो सारे संसार को

औ[illegible]

प्रक[illegible]

उस[illegible]

अस[illegible]

शठ[illegible]

मुझ[illegible]

प्रेम[illegible]

रहूँ[illegible]

सब[illegible]

पर[illegible]

दो[illegible]

[illegible] क्या कि उन्हें [illegible]

जो इस पुस्तक में प्रेस की गलतियाँ हैं उसमें मेरा दोष न नहीं है।

भवदीय

मातादीन चतुर्वेदी औरैया

होमगंज जिला इटावा यू० पी०

ता० २८-९-५०

मुद्रक

देश सेवा प्रेस, ५४, हीवेट रोड, इलाहाबाद।